<u>भारतीय प्रसारण निगम</u>

<u>आकाशवाणी केन्द्र शिमला</u>

28.08.2024 **18:00 बजे**

<u>प्रश्नकाल</u>

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा है कि पूर्व भाजपा सरकार जलविद्युत और अन्य परियोजनाओं के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करते समय राज्य के हितों की रक्षा करने में विफल रही है। शिमला में चल रहे प्रदेश विधानसभा के मॉनसून सत्र के आज दूसरे दिन प्रश्नकाल के दौरान सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि भाजपा ने राज्य के हितों के खिलाफ धौलासिद्ध, लूहरी और सुन्नी जलविद्युत परियोजनाओं के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। कांग्रेस सरकार ने राज्य के हित में अपने स्वयं के संसाधनों से बल्क ड्रग परियोजना को क्रियान्वित करने का निर्णय लिया है। इससे पूर्व, विधायक केवल सिंह पठानिया के सवाल के जवाब में उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान ने कहा कि राज्य सरकार बल्क ड्रग पार्क के लिए पूरी तरह से गंभीर है और केंद्र सरकार की गाइडलाइन के मुताबिक इस प्रोजेक्ट का निर्माण कार्य 31 मार्च 2026 तक पूरा कर लिया जाएगा। उद्योग मंत्री ने कहा कि प्रोजेक्ट की महत्ता को देखते हुए राज्य सरकार अपने स्तर पर इस प्रोजेक्ट के लिए एक हजार करोड़ रुपए का बजट खर्च करेगी।

उन्होंने कहा कि सरकार मेडिकल डिवाइस पार्क का 30 करोड़ रुपए केंद्र सरकार को जल्द वापस करेगी। हर्षवर्धन चौहान ने कहा कि इस प्रोजेक्ट के शुरू होने से प्रदेश में 50 हजार करोड़ रुपए के निवेश की संभावना है और इससे 20 हजार लोगों को रोजगार मिलेगा। उन्होंने कहा कि प्रोजेक्ट पर काम शुरू हो गया है और इसके लिए राज्य सरकार ने भी 50 करोड़ रुपए के बजट को मंजूरी दे दी है। उद्योग मंत्री ने विधायक सतपाल सत्ती के अनुपूरक सवाल के जवाब में कहा कि

इस प्रोजेक्ट के लिए पैसा राज्य कार्यान्वयन एजेंसी को आएगा। प्रोजेक्ट के काम के लिए टेंडर की प्रक्रिया को अपनाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने विधायक डॉ. जनक राज के सवाल के उत्तर में कहा कि राज्य सरकार अगले नौ महीनों में करुणामूलक आधार पर सभी आश्रितों को नौकरी उपलब्ध करवा देगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में करुणामूलक आधार पर रोजगार प्रदान करने के एक हजार 4 सौ 15 मामले लंबित हैं। उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार ने अपने 20 माह के कार्यकाल में अभी तक एक सौ 80 लोगों को करुणामूलक आधार पर नौकरी दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार करुणामूलक आधार पर नौकरी के लिए पात्र लोगों को चतुर्थ श्रेणी के अलावा तृतीय श्रेणी की नौकरियां देने पर भी विचार करेगी।

अवैध कटान

मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा है कि सरकार वनों के अवैध कटान से सख्ती से निपटेगी और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करेगी। उन्होंने कहा कि सराज वन मण्डल के बंजार में सुराग शिल्ह जंगल में काटे गए हरे पेड़ों के अवैध कटान के मामले में आरोपी ठेकेदार पर 99 लाख रुपए से अधिक का जुर्माना लगाया है। उन्होंने कहा कि इस घटना में जो जांच हुई है, उसमें 16 पेड़ अवैध रूप से काटने की जानकारी सामने आई है। उन्होंने कहा कि यदि इस मामले में और तथ्य आएंगे तो उस पर भी कार्रवाई की जाएगी। वे आज विधानसभा में विधायक सुरेंद्र शौरी द्वारा नियम–62 के तहत लाए गए ध्यानाकर्षण प्रस्ताव का जवाब दे रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने सुराग शिल्ह जंगल में 8 सौ 36 सूखे पेड़ों को काटने की अनुमति दी है। इसमें से 3 सौ 58 पेड़ काटे जा चुके हैं। उन्होंने विधायक सुरेंद्र शौरी के उस दावे को खारिज कर दिया कि ठेकेदार ने चार सौ से अधिक पेड़ अनधिकृत रूप से काट दिए हैं। इस संबंध में बंजार पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज की गई है और पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ध्यानाकर्षण प्रस्ताव

प्रदेश की कांग्रेस सरकार राज्य में सांपों के काटने से होने वाली मौतों के मामले में संबंधित परिजनों को मुआवजा देने विचार करेगी। इसके लिए सरकार राहत मैनुअल में आवश्यक संशोधन करेगी। यह घोषणा मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने आज विधानसभा में नियम 62 के तहत विधायक केवल सिंह पठानिया द्वारा लाए गए ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पर हुई चर्चा के दौरान दखल देते हुए की। उन्होंने राजस्व मंत्री से इस संबंध में आवश्यक अध्ययन करने को भी कहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि बरसात के दिनों में खड्डों और नदियों के किनारे वाले क्षेत्रों में स्नेक बाईट की ज्यादा घटनाएं होती हैं। इससे पहले, स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धनीराम शांडिल ने ध्यानाकर्षण प्रस्ताव पर हुई चर्चा के उत्तर में कहा कि सांप के काटने पर अब लोगों को तत्काल इलाज मिलेगा। इसके लिए सीएचसी और पीएचसी स्तर पर एंटी स्नेक वेनम इंजेक्शन उपलब्ध करवाने के साथ ही हर 108 एंबुलेंस में भी एंटी स्नेक वेनम इंजेक्शन रखे जाएंगे। उन्होंने कहा कि कांगड़ा जिले के सभी सीएचसी में एंटी स्नेक वेनम उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि जिले में सर्पदंश की रोकथाम और नियंत्रण के लिए डाक्टरों, स्टाफ नर्स, सीएचओ और फार्मासिस्टों को प्रशिक्षित किया जा चुका है।